9 अनेकार्थक शब्द

अनेकार्थक शब्द का अर्थ है—एक ही शब्द के अनेक अर्थ। प्राय: सभी भाषाओं में कुछ ऐसे शब्द होते हैं जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं। पर्यायवाची शब्दों में विभिन्न शब्द एक अर्थ देते हैं, जबकि अनेकार्थक शब्दों में एक ही शब्द के भिन्न-भिन्न अर्थ होते हैं। जैसे—'कर' के विभिन्न अर्थ हैं—हाथ, किरण और मालगुजारी (टैक्स)।

द्विज —

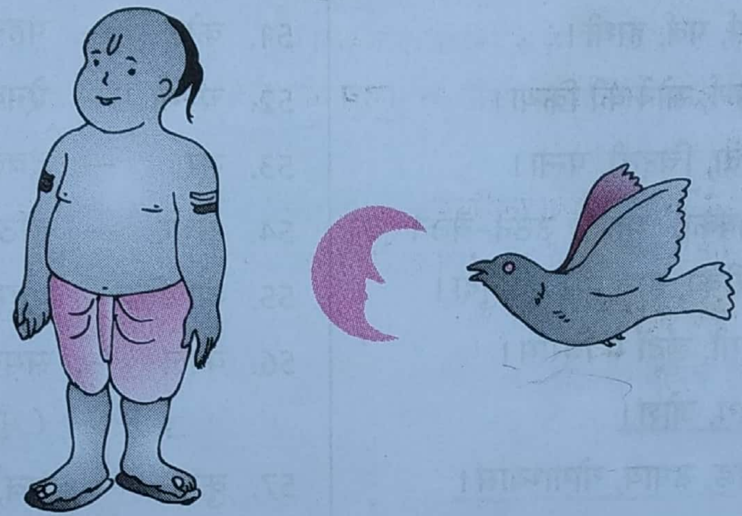

शब्द		अनेकार्थ
1. हार	—	माला, हारना।
2. अंक	—	गोद, संख्या, चिह्न, नाटक का एक खंड या सर्ग।
3. अक्ष	—	धुरी, चक्र, तराज़ू की डंडी, जन्मांध, आत्मा, पारा।
4. अक्षर	—	वर्ण, शब्द, आत्मा, नित्य, अविनाशी, अपरिवर्तनशील।
5. अग्र	—	अगला, पहला, मुख्य, नोक, शिखर, उत्कर्ष।
6. अज	—	ब्रह्म, अजन्मा, बकरा, चंद्रमा, ईश्वर।
7. अड्डा	—	केंद्रीय स्थान, एकत्र होने की जगह, खेत की मेंड़।
8. अनंत	—	असीम, आकाश, जिसका अंत न हो।
9. अंबर	—	आकाश, वस्त्र।
10. अमर	—	देवता, न मरने वाला।
11. अर्क	—	सूर्य, आक (एक प्रकार का पौधा)।
12. अर्थ	—	प्रयोजन, धन, मतलब।
13. आम	—	एक फल, साधारण।
14. उत्तर	—	एक दिशा, जवाब, पीछे आने वाला।
15. पूर्व	—	एक दिशा, पहले।
16. कक्ष	—	कमरा, ग्रहों की कक्षाएँ, काँख।
17. कनक	—	सोना, धतूरा, गेहूँ (पंजाबी भाषा में)
18. कर	—	हाथ, किरण, करने के अर्थ में (जल्दी काम कर)।
19. गति	—	चाल, हालत।

Scanned with CamScanner

शब्द		अनेकार्थ
20. गुरु	—	एक ग्रह, भारी, शिक्षक, एक दिन (गुरुवार)।
21. चक्र	—	चक्का, बवंडर।
22. दंड	—	सजा, डंडा।
23. दविज	—	ब्राहमण, चंद्रमा, पक्षी।
24. नग	—	रत्न, पहाड़, केवल एक।
25. नाग	—	सर्प, पर्व, हाथी।
26. सोना	—	स्वर्ण, सोने की क्रिया।
27. पत्र	—	पत्ता, चिट्ठी, पन्ना।
28. मुद्रा	—	सिक्का, मुहर, उठने-बैठने का तरीका, हाथ-पैर की मुद्रा।
29. यति	—	योगी, छंदों में विराम।
30. लहर	—	तरंग, जोश।
31. योग	—	जोड़, उपाय, योगाभ्यास।
32. श्री	—	शोभा, सौंदर्य, संपत्ति।
33. माँग	—	बालों के बीच बनाई गई रेखा, चाह, माँगने की क्रिया।
34. हरि	—	विष्णु, सिंह।
35. हल	—	खेती करने का औज़ार, समस्या को सुलझाना।
36. पद	—	पैर, ओहदा, कविता का छंद।
37. ताल	—	तालाब, लय।
38. फल	—	परिणाम, आम, सेब, केले आदि।
39. सर	—	सिर, तालाब।
40. आदी	—	अदरख, अभ्यस्त।
41. चारा	—	उपाय, घास।
42. श्रुति	—	वेद, कान, सुनना, किंवदंती।
43. विधि	—	ब्रहमा, भाग, रीति, नियम।
44. वार	—	प्रहार करना, सप्ताह के दिन।
45. हरकत	—	गति, चेष्टा, नटखटपन।

शब्द		अनेकार्थ
46. जाल	—	नेट, फंदा, माया, छल।
47. कल	—	चैन, अगला या बीता हुआ दिन, मशीन का पुर्जा।
48. कुशल	—	खैरियत, चतुर।
49. पर	—	पंख, परंतु।
50. अर्क	—	सूर्य, काढ़ा।
51. कोट	—	पहनने का कोट, किला।
52. चश्मा	—	ऐनक, झरना।
53. सुर	—	देवता, स्वर और ताल।
54. अधर	—	होंठ, जिसका आधार न हो।
55. आपत्ति	—	एतराज, विपत्ति।
56. काल	—	समय, मृत्यु, व्याकरणिक काल (भूत, भविष्य, वर्तमान)।
57. कुल	—	सब, वंश।
58. घन	—	बादल, हथौड़ा, घनफल।
59. तीर	—	किनारा, बाण।
60. पय	—	जल, दूध।
61. बाल	—	बालक, केश, अनाज की बाली जिसमें दाने होते हैं।
62. भाग	—	भाग्य, गणना, हिस्सा।
63. मंगल	—	ग्रह, सप्ताह का दिन, शुभ, कल्याण।
64. वर्ण	—	रंग, जाति, अक्षर।
65. खग	—	पक्षी, आकाश।
66. जड़	—	मूर्ख, निर्जीव, वृक्ष का मूल।
67. सूत	—	धागा, सारथी।
68. संज्ञा	—	चेतना, नाम।
69. वर	—	पति, वरदान, दूल्हा।
70. रस	—	आनंद, फलों का निचोड़, प्रेम।

Total = 20

Scanned with CamScanner